647510 **BAH5HinFC05B** **Seat No :_____**

B.A.(HS) Semester - 5 (*CBCS*) Examination
Oct/Nov - 2024 (NEW COURSE)
Hindi (Foundation)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न- १ आँचलिक उपन्यासकारों में फणीश्वरनाथ 'रेणु' का स्थान निर्धारित कीजिए । (१४)

अथवा

प्रश्न- १ फणीश्वरनाथ 'रेणु' के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न- २ 'आँचलिकता' के परिप्रेक्ष्य में 'मैलाआँचल' उपन्यास की समीक्षा कीजिए । (१४)

अथवा

प्रश्न- २ 'मैलाआँचल' उपन्यास की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

प्रश्न- ३ उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'मैलाआँचल' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए । (१४)

अथवा

प्रश्न- ३ डो. प्रशांत के चरित्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न- ४ टिप्पणियाँ लिखिए । (किन्हीं दो) (१४)

(१) 'मैलाआँचल' उपन्यास का बावनदास ।

(२) 'मैलाआँचल' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता ।

(३) 'मैलाआँचल' उपन्यास की कमली ।

(४) 'मैलाआँचल' उपन्यास की भाषा-शैली ।

प्रश्न- ५ निम्नलिखित परिच्छेदों का अनुवाद कीजिए । (१४)

(अ) हिन्दी में अनुवाद कीजिए: ।

જે વિધાઅભ્યાસની વાંચન કરે છે અને પુસ્તકો સાથે દોસ્તી બાંધે છે. એથી સ્થિતિ સામાજિક દ્રષ્ટિએ ભલે કંગાળ હોય. પરંતુ તેને સાથીદારનો અભાવ સાલતો નથી. એની નાનકડી ઓરડીમાં વિશ્વબંધ વિભૂતિઓના વાસ થાય છે. મહાન કવિઓ, લેખકો અને તત્વચિન્તકોની સહાનુભૂતિ તેને પ્રાપ્ત થાય છે અને એના પ્રશ્નોનું નિરાકરણ થઈ જાય છે.

(ब) गुजराती में अनुवाद कीजिए : ।

स्वामी जी के पवित्र सत्संग के आनंद से वंचित हो जाने की आशंका से शरश्चंद्र ने शोकातुर होकर कहा "महाराज ! मुझे अपना शिष्य बनाकर साथ लेते चलिए ।" स्वामी जी ने उत्तर दिया "क्या तुमे सोचते हो कि मेरा शिष्य होने से ही तुम्हारी आध्यात्मिक पिपासा तृप्त होगी ? किसी व्यक्ति के गुरु होने की योग्यता मुझमें है या नहीं, इसमें संदेह है । भगवान के चरणों में आत्मसमर्पण कर कर्म किये जाओ, वे ही सब प्रकार से कल्याण करेंगे । मैंने अभी श्री बद्रीनाथ के दर्शन करने के लिए यात्रा करने का संकल्प किया है, तुम दु:खी न हो, प्रसन्न मन से मुझे बिदा दो, मैं फिर से हाथरस लौटने का प्रयत्न करुंगा ।"

****